कक्षा - शास्त्री

विषयः - भारतीय ज्ञान-परम्परा

S-SEC-1.1 - भारतीय गणित का इतिहास

सत्रार्द्धम् : प्रथमम् पत्रम् : सप्तमपत्रम्

विषय गूढाङ्कः	एककम्	पाठ्यग्रन्थः -	पूर्णाङ्काः	अवधिः	श्रेयोऽङ्कः
S-SEC-1.1	इकाई	**पाठ्यांशः गणित का उद्भव एवं विकास**	**75**	**60 होराः**	**03**
	1	वैदिक वाङ्मय में गणित का स्वरूप। बौद्ध एवं जैन गणित की परम्परा बख्शाली पाण्डुलिपि का परिचय आर्यभट्ट	18	22	1
	2	ब्रह्मगुप्त महावीर श्रीधर भास्कर-प्रथम भास्कर- द्वितीय कमलाकर भट्ट जगन्नाथ सम्राट	18	23	1
	3	नीलाम्बर झा बापूदेव शास्त्री सुधाकर द्विवेदी अच्युतानन्द झा बलदेव मिश्र	19	22	1
	4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम् 1.आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् अङ्काः 08 2.शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः 02 3.शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः 02 4.उपस्थितिः अङ्काः 08 75%= 01 अङ्कः 76%-80%= 02 अङ्कौ 81%-85%= 04 अङ्काः 86%-90%= 06 अङ्काः 91% तः अधिकम्= 08 अङ्काः	20	-	-

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. History of Mathematics – V.B. Dutta & A.N. Singh
2. गणित शास्त्र के विकास की भारतीय परम्परा – डॉ. सुद्युम्न आचार्य
3. भारतीय गणित का इतिहास – बलदेव मिश्र
4. चार शुल्वसूत्र – कुलकर्णी
5. गणित कौमुदी – नारायण पण्डित

अथवा

कक्षा - शास्त्री

विषयः - भारतीय ज्ञान-परम्परा

S-SEC-1.2 - भारतीय गणितीय विधाएँ

सत्रार्द्धम् : प्रथमम् **पत्रम् : सप्तमपत्रम्**

विषय गूढाङ्कः	एककम्	पाठ्यग्रन्थः -	पूर्णाङ्काः	अवधिः	श्रेयोऽङ्कः
	इकाई	**पाठ्यांशः व्यक्ताव्यक्तगणित**	**75**	**60 होराः**	**03**
S-SEC-1.2	1	षड्विध गणित भिन्न परिकर्माष्टक त्रैराशिक गणित व्यक्त गणित श्रेढ़ीव्यवहार एकवर्णसमीकरण	18	22	1
	2	**ज्यामितीय गणित (सरल)** क्षेत्र व्यवहार (लीलावती)	18	23	1
	3	**ज्यामितीय गणित (गोलीय)** चापजात्य गणित (प्रथम से षष्ट साध्य तक) गोलीय रेखागणित (प्रथम से दशम क्षेत्र तक)	19	22	1
	4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम् 1.आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् अङ्का: 08 2.शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्का: 02 3.शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्का: 02 4.उपस्थितिः अङ्का: 08 75%= 01 अङ्कः 76%-80%= 02 अङ्कौ 81%-85%= 04 अङ्काः 86%-90%= 06 अङ्काः 91% तः अधिकम्= 08 अङ्काः	20	-	-

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. लीलावती
2. बीजगणित
3. गोलीय रेखागणित
4. गणितकौमुदी
5. चापीय त्रिकोण गणित
6. रेखागणित

अथवा

कक्षा - शास्त्री

विषयः - भारतीय ज्ञान-परम्परा

S-SEC-1.3 - भारतीय खगोल का इतिहास

सत्रार्द्धम् : प्रथमम् **पत्रम् : सप्तमपत्रम्**

विषय गूढाङ्कः	एककम्	पाठ्यग्रन्थः -	पूर्णाङ्काः	अवधिः	श्रेयोऽङ्कः
	इकाई	**पाठ्यांशः**	**75**	**60 होराः**	**03**
	1	वैदिक वाङ्मय में खगोल विज्ञान वेदाङ्ग ज्योतिष आर्ष परम्परा (सूर्य सिद्धान्त) में खगोल विज्ञान	18	22	1
	2	सृष्टि उत्पत्ति के सिद्धान्त वैदिक वाङ्मय में सृष्टि उत्पत्ति (नासदीय सूक्त/हिरण्यगर्भ/पृथ्वीसूक्त) पौराणिक वाङ्मय में सृष्टि उत्पत्ति (विष्णुधर्मोत्तर पुराण एवं भागवत महापुराण) ज्योतिष शास्त्र में सृष्टि उत्पत्ति (अ. 12, श्लो सं. 12-14, पृ. सं. 298/ श्लो. सं. – 21,25,26, पृ. सं. 302,304	18	23	1
S-SEC-1.3	3	ब्रह्माण्ड परिचय (सू. सि. सि. शिरोमपि (भूगोल) भूगोल परिचय एवं ग्रह कक्षा (अ. 12, श्लो. सं. 1-7) ध्रुवद्वय का परिचय (ध्रुवमेस्विति) खगोलीय नियामक वृत्त एवं वृत्तखण्ड (गोल परिभाषा) (खमध्य, क्षितिज, नाडी, पूर्वापर, याम्योतर, क्रान्ति(श्लो. सं. 10-11, पृ. सं.13), उन्मण्डल, अहोरात्र (श्लो. सं. 12-13, पृ. सं. 47-50, 5-9), दृग्मण्डल, ध्रुवप्रोत, कदश्वप्रोत, नतांश, उन्नतांश, अक्षांश (3,13), लम्बांश, क्रान्त्यंश, दिगंश आदि)	19	22	1
	4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम् 1.आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् अङ्का: 08 2.शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्का: 02 3.शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्का: 02 4.उपस्थितिः अङ्का: 08 75%= 01 अङ्क: 76%-80%= 02 अङ्कौ 81%-85%= 04 अङ्काः 86%-90%= 06 अङ्का: 91% त: अधिकम्= 08 अङ्का:	20	-	-

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. सूर्य सिद्धान्त - कपिलेश्वर शास्त्री
2. संस्कृत साहित्य का वृहद इतिहास (ज्योतिष खण्ड) -(प्रधान सम्पादक - बलदेव उपाध्याय, सम्पादक – प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ)
3. History of Astronomy - Robert
4. ओरायन - B.G. Tilak

कक्षा - शास्त्री

विषयः - हिन्दी

S-SEC-2.1-हिन्दी

सत्रार्द्धम् : प्रथमम्　　　　　　**पत्रम : सप्तमपत्रम्**

विषय गूढाङ्कः	एककम्	पाठ्यग्रन्थः - हिन्दी मानक व्याकरण	पूर्णाङ्काः	अवधिः	श्रेयोऽङ्कः
S-SEC-2.1	इकाई	पाठ्यांशः	75	60 होराः	03
	1	हिन्दी भाषा का इतिहास, वर्ण, शब्द, पद, वाक्य, विराम चिन्ह, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, समुच्चय बोधक, विस्मयादि बोधक, सम्बन्ध बोधक, निपात, वचन, लिंग, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय, अव्यय, सन्धि, छन्द, समास, तत्सम, तद्भव, वर्तनी	18	22	1
	2	भाषा, अर्थ, स्वरूप, विशेषताएं एवं मुख्य बोलिया मानक भाषा, अवधारणा एवं उपयोगिता प्रयोजनमूलकता एवं हिंदी : परिभाषा एवं स्वरूप कार्यालयी हिंदी - प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन पत्रकारिता एवं मीडिया लेखन : पत्रकारिता स्वरूप एवं महत्त्व संवाददाता के गुण	18	23	1
	3	अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप साहित्यानुवाद : काव्यानुवाद और उसकी समस्याएँ हिंदी कम्प्यूटिंग, कम्प्यूटर परिचय एवं महत्त्व पारिभाषिक शब्दावली, परिभाषा और महत्त्व	19	22	1
	4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम् 1.आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् अङ्काः 08 2.शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः 02 3.शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः 02 4.उपस्थितिः अङ्काः 08 75%= 01 अङ्कः 76%-80%= 02 अङ्कौ 81%-85%= 04 अङ्काः 86%-90%= 06 अङ्काः 91% तः अधिकम्= 08 अङ्काः	20	-	-

सहायकपुस्तकानि –

1. हिन्दी मानक व्याकरण

अथवा

Class - Shastri
Subject - ENGLISH
S -SEC-2 - ENGLISH TRANSLATION

Semester – Second Paper: Seventh

Course Objective: - the purpose of this course is to introduce Students to the theory of translation: the main Objectives of translation are accuracy, Precision, clarity, readability and localization

Course Outcome

1. Students will be able to translate from Hindi language into English language and vice versa.
2. Determine the author's voice, style and culture in target text.
3. At the end of this course, students will be able to identify differences between languages in terms of structure, vocabulary, and inter intra in the texts to be translated.

Subject Code	Units	ENGLISH TRANSLATION	Total Marks	Duration	Credits
	Units	Topics-	75	45 Hours	03
	1	Translation – meaning , methods , problems and challenges of translation , technical translation Parts of speech – articles ,prepositions, adjectives, adverbs sentence and its types ,	16	15	1
	2	tenses , Voices , direct and indirect speech , punctuations, synonyms, antonyms,	17	15	1
S-SEC-2.2	3	Idioms and phrases , one – word substitution, Translation from English to Hindi and vice versa	17	15	1
	4	INTERNAL ASSESSMENT 1. Internal assessment / class test / assignment = 8 marks 2. Subject related seminars / discussion = 5 marks 3. Teaching learning material = 4 marks 4. Attendance = 8 marks 75%= 01 mark 76%-80%= 02 marks 81%-85%= 04 marks 86%-90%= 06 marks 91% to 100 %= 08 marks	25	-	-

SUGGESTED READINGS :-

a) Kenneth and Anderson and tony lynch . study speaking , OUP
b) Set y J.ET . AI . practice course in English pronunciation , Princeton hall
c) Prasad P communicative skill.
d) Balasubrahmanya A course in phonetics for Indian students, Mac Millan.
e) Jayashru Mohanraj , speaking well , Blackswan.

Renuka Dhyani

अथवा

कक्षा - शास्त्री

विषय: - **Computer**

S-SEC-2.3 - **Basic** Fundamental of Computer

सत्रार्द्धम् : प्रथमम्   पत्रम् : सप्तमपत्रम्

विषय गूढाङ्क:	एककम्	पाठ्यग्रन्थ: - Fundamentals of Computer	पूर्णाङ्का:	अवधि:	श्रेयोऽङ्क:
S-SEC-2.3	इकाई	पाठ्यांश:	**75**	**60 होरा:**	**03**
	1	**Computer Fundamental :-** Characteristics of Computers, Input, Output, Storage units, CPU, Computer System, Central Processing Unit - Processor Speed, Cache, Memory, RAM, ROM, Booting, Memory- Secondary Storage Devices: Floppy and Hard Disks, Optical Disks CD-ROM, DVD, Mass Storage Devices: USB thumb drive. Managing disk PartitionsOutput Devices- Monitors, Printers - Dot matrix, inkjet, laser, Computer Software- Relationship between Hardware and Software; System Software, Application Software, Compiler, names of some high level languages, free domain software.	18	22	1
	2	**Microsoft Office - MS Word:** Word processing concepts: saving, closing, Opening an existing document, Selecting text, Editing text, Finding and replacing text, printing documents, Creating and Printing Merged Documents, Character and Paragraph Formatting, **MS Excel** - Function Wizard. changing data, Spreadsheet Concepts, Inserting, Deleting Work Sheets, Using Formatting a Worksheet: Previewing, Modifying Charts. Integrating word processor, spread sheets, web pages. **MS Power Point** - Creating, Opening and Saving Presentations, Creating the Look of Your Presentation, Working in Different Views, Working with Slides, Printing Presentations	18	23	1
	3	**Internet Technology** - Internet, Growth **of** Internet, Owners **of** the Internet, Anatomy of Internet, Internet history of the World Wide Web, basic Internet Terminology, Email Networks and Servers, Email protocols Email Header, Body and Attachments, of an Email Clients: Netscape mail Clients, Outlook Express, Web based E- mail. Internet Security, Copyright Issues, Virus & Antivirus.	19	22	1
	4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम् 1.आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् अङ्का: 08 2.शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्का: 02 3.शिक्षणस्रोतस्सामग्र्या: चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्का: 02 4.उपस्थिति: अङ्का: 08 75%= 01 अङ्क: 76%-80%= 02 अङ्कौ 81%-85%= 04 अङ्का: 86%-90%= 06 अङ्का: 91% त: अधिकम्= 08 अङ्का:	20	-	-

Reference Books -

1. Fundamentals of Computer by E Balagurusamy, Tata McGraw Hill Education- Pvt. Ltd, New Delhi.
2. Fundamentals of Computer by V Rajaraman; Prentice Hall of India Pvt. Ltd., New Delhi.

कक्षा - शास्त्री

विषयः - भारतीय ज्ञान-परम्परा

S-SEC-3.1 - भारतीय गणित का इतिहास

सत्रार्द्धम्: प्रथमम् | पत्रम् : सप्तमपत्रम्

विषय गूढाङ्कः	एककम्	पाठ्यग्रन्थः -	पूर्णाङ्काः	अवधिः	श्रेयोऽङ्कः
S-SEC-3.1	इकाई	पाठ्यांशः गणित का उद्भव एवं विकास	75	60 होराः	03
	1	वैदिक वाङ्मय में गणित का स्वरूप। बौद्ध एवं जैन गणित की परम्परा बख्शाली पाण्डुलिपि का परिचय आर्यभट्ट	18	22	1
	2	ब्रह्मगुप्त महावीर श्रीधर भास्कर-प्रथम भास्कर- द्वितीय कमलाकर भट्ट जगन्नाथ सम्राट	18	23	1
	3	नीलाम्बर झा बापूदेव शास्त्री सुधाकर द्विवेदी अच्युतानन्द झा बलदेव मिश्र	19	22	1
	4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम् 1.आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् अङ्काः 08 2.शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्काः 02 3.शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्काः 02 4.उपस्थितिः अङ्काः 08 75%= 01 अङ्कः 76%-80%= 02 अङ्कौ 81%-85%= 04 अङ्काः 86%-90%= 06 अङ्काः 91% तः अधिकम्= 08 अङ्काः	20	-	-

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. History of Mathematics – V.B. Dutta & A.N. Singh
2. गणित शास्त्र के विकास की भारतीय परम्परा – डॉ. सुद्युम्न आचार्य
3. भारतीय गणित का इतिहास – बलदेव मिश्र
4. चार शुल्वसूत्र – कुलकर्णी
5. गणित कौमुदी – नारायण पण्डित

डॉ. नरेन्द्रशर्मा

अथवा

कक्षा - शास्त्री

विषयः - भारतीय ज्ञान-परम्परा

S-SEC-1.2 - भारतीय गणितीय विधाएँ

सत्रार्द्धम् : प्रथमम् | **पत्रम् : सप्तमपत्रम्**

विषय गुढाङ्कः	एककम्	पाठ्यग्रन्थः -	पूर्णाङ्काः	अवधिः	श्रेयोऽङ्कः
S-SEC-3.2	इकाई	**पाठ्यांशः व्यक्ताव्यक्तगणित**	75	60 होराः	03
	1	षड्विध गणित भिन्न परिकर्माष्टक त्रैराशिक गणित व्यक्त गणित श्रेढ़ीव्यवहार एकवर्णसमीकरण	18	22	1
	2	**ज्यामितीय गणित (सरल)** क्षेत्र व्यवहार (लीलावती)	18	23	1
	3	**ज्यामितीय गणित (गोलीय)** चापजात्य गणित (प्रथम से षष्ट साध्य तक) गोलीय रेखागणित (प्रथम से दशम क्षेत्र तक)	19	22	1
	4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम् 1.आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् अङ्का: 08 2.शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्का: 02 3.शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्का: 02 4.उपस्थितिः अङ्का: 08 75%= 01 अङ्कः 76%-80%= 02 अङ्कौ 81%-85%= 04 अङ्काः 86%-90%= 06 अङ्काः 91% तः अधिकम्= 08 अङ्काः	20	-	-

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. लीलावती
2. बीजगणित
3. गोलीय रेखागणित
4. गणितकौमुदी
5. चापीय त्रिकोण गणित
6. रेखागणित

अथवा

कक्षा - शास्त्री
विषयः - भारतीय ज्ञान-परम्परा
S-SEC-1.3 - भारतीय खगोल का इतिहास

सत्रार्द्धम् : प्रथमम् — पत्रम् : सप्तमपत्रम्

विषय गूढाङ्कः	एककम्	पाठ्यग्रन्थः -	पूर्णाङ्काः	अवधिः	श्रेयोऽङ्कः
S-SEC-3.3	इकाई	पाठ्यांशः	75	60 होराः	03
	1	वैदिक वाङ्मय में खगोल विज्ञान वेदाङ्ग ज्योतिष आर्ष परम्परा (सूर्य सिद्धान्त) में खगोल विज्ञान	18	22	1
	2	सृष्टि उत्पत्ति के सिद्धान्त वैदिक वाङ्मय में सृष्टि उत्पत्ति (नासदीय सूक्त/हिरण्यगर्भ/पृथ्वीसूक्त) पौराणिक वाङ्मय में सृष्टि उत्पत्ति (विष्णुधर्मोत्तर पुराण एवं भागवत महापुराण) ज्योतिष शास्त्र में सृष्टि उत्पत्ति (अ. 12, श्लो सं. 12-14, पृ. सं. 298/ श्लो. सं. – 21,25,26, पृ. सं. 302,304	18	23	1
	3	ब्रह्माण्ड परिचय (सू. सि. सि. शिरोमपि (भूगोल) भूगोल परिचय एवं ग्रह कक्षा (अ. 12, श्लो. सं. 1-7) ध्रुवद्वय का परिचय (ध्रुवमेस्विति) खगोलीय नियामक वृत्त एवं वृत्तखण्ड (गोल परिभाषा) (खमध्य, क्षितिज, नाडी, पूर्वापर, याम्योतर, क्रान्ति(श्लो. सं. 10-11, पृ. सं.13), उन्मण्डल, अहोरात्र (श्लो. सं. 12-13, पृ. सं. 47-50, 5-9), दृग्मण्डल, ध्रुवप्रोत, कदम्बप्रोत, नतांश, उन्नतांश, अक्षांश (3,13), लम्बांश, क्रान्त्यंश, दिगंश आदि)	19	22	1
	4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम् 1.आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् अङ्का: 08 2.शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्का: 02 3.शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्का: 02 4.उपस्थितिः अङ्का: 08 75%= 01 अङ्क: 76%-80%= 02 अङ्कौ 81%-85%= 04 अङ्का: 86%-90%= 06 अङ्का: 91% त: अधिकम्= 08 अङ्का:	20	-	-

सन्दर्भ ग्रन्थ –

1. सूर्य सिद्धान्त - कपिलेश्वर शास्त्री
2. संस्कृत साहित्य का वृहद इतिहास (ज्योतिष खण्ड) -(प्रधान सम्पादक - बलदेव उपाध्याय, सम्पादक – प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ)
3. History of Astronomy - Robert
4. ओरायन - B.G. Tilak

डॉ. [signature]